

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Hindi

Academic Year- 2024-25

Programme Specific Outcomes of B.A. Hindi (PSOs)

- बी. ए. हिंदी एक स्नातक उपाधि है। उपाधि के पश्चात् छात्राओं के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं।
- लेखक और कवि द्वारा लिखित साहित्य छात्राओं की उम्र स्तर उनका मानसिक विकास आदि को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किए जाते हैं। जिनका उद्देश्य उज्ज्वल भारत का निर्माण करना है।
- यह परंपरागत कोर्स मानविय मूल्य, संवेदना, मानवियता, नैतिकता, जीवनमूल्य, देशभक्ति, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, संस्कार आदि आयामों को लेकर भी छात्राओं को सक्षम बनाता है।
- हिंदी में आधुनिक कौशल्य से निर्माण विभिन्न कोर्स, समाचार लेखन, रेडिओ वार्ता, विज्ञापन लेखन, संगणक का प्रयोग आदि से जुड़े पाठ्यक्रम रोजगार एवं व्यावहारिक तथा व्यापारिक स्तर पर नए अवसर निर्माण करते हैं।
- बी.ए. उपाधि के पश्चात् कई छात्र अनुवाद, बैंकिंग, शिक्षा क्षेत्र, उद्योग, व्यापार आदि में जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- बी. ए. उपाधि के पश्चात् छात्र एम.ए., बी.एड्, पी.एच.डी आदि पारंपारिक कोर्स के साथ-साथ पत्रकारिता, अनुवाद जैसे व्यावसायिक क्षेत्र में भी पढ़ाई हेतु प्रवेश लेते हैं।
- स्नातक की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् छात्राओं के लिए रोजगार के विभिन्न अवसर निर्माण हो जाते हैं। और सफलता का प्रतिशत बढ़ जाता है। छात्राएँ जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने परिवार और देश की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS)

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed
Department of Hindi
Academic Year- 2024-25
Course Outcomes (COs)

बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र)

हिंदी कथा साहित्य- DSC-1

- ❖ छात्रों को हिंदी कहानी विधा का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा ।
- ❖ निर्धारित पाठ्यक्रम के पठन से छात्रों में भावनात्मक और संवेदनात्मक गुणों का निर्माण होगा ।
- ❖ पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में लेखन और सम्यक दृष्टि का विवेक उत्पन्न होगा ।
- ❖ पाठ्यक्रम में अंतर्निहित जीवनमूल्यों से जुड़कर छात्र अपने नैतिक और चारित्रिक गुणों का विकास करने में सक्षम होंगे ।
- ❖ छात्रों में कथा लेखन की क्षमता निर्माण होगी ।

संभाषण कला- SEC

- ❖ छात्र संभाषण के महत्त्व को समझेंगे ।
- ❖ छात्र वार्तालाप, भाषण, वाद-विवाद, एकालाप, परिचर्चा जैसे संभाषण के विविध आयाम समझेंगे ।
- ❖ भाषण, वाद-विवाद, मंच संचालन, मंचीय कविता आदि के बारे में छात्रों को जानकारी मिलेगी ।
- ❖ छात्रों को संभाषण के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा ।
- ❖ भविष्य में विद्यार्थी इसके सहारे विभिन्न क्षेत्र में कुशल वक्ता, सूत्रसंचालक, कवि बनेंगे ।


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

बी.ए. प्रथम वर्ष (द्वितीय सत्र)

हिंदी नाट्य साहित्य- DSC-4

- ❖ छात्रों को हिंदी नाटक विधा का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।
- ❖ नाटक से छात्रों को भावनाओं, संचार कौशल्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति का निर्माण होगा।
- ❖ नाट्य विधा के अध्ययन से छात्रों में लेखन और सम्यक दृष्टि का विवेक उत्पन्न होगा।
- ❖ नाटक की गतिविधियों से छात्रों के बोलने, सुनने और समझने के कौशल में भी सुधार होगा।
- ❖ छात्रों में नाट्य लेखन में क्षमता निर्माण होगी।
- ❖ निर्धारित नाटकों के पठन से छात्रों में नाटक एवं रंगमंच के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।

रचनात्मक लेखन कौशल- VSC

- ❖ इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तथा प्रायोगिक कार्य के पश्चात छात्रों में सृजनात्मक चिंतन, लेखन, भावाभिव्यक्ति और प्रस्तुतिकरण कौशल का विकास होगा।
- ❖ छात्रों में अपने परिवेश तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।

व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल- AEC-1

- ❖ विभिन्न जीवन कौशल को आत्मसात कर छात्र अपने जीवन को सरल एवं सहज बना सकते हैं।
- ❖ यह पाठ्यक्रम छात्रों में सकारात्मक व्यवहार के वे योग्यताएँ निर्माण करेगा जिससे छात्र को दैनिक जीवन के माँगों एवं चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए सक्षम बनाती है।
- ❖ छात्रों में रोजगार कौशल निर्माण में सहायक होगा।

B.A. Second Year HINDI

सामान्य हिंदी (Second Language - Paper-III, IV)

- साहित्य आस्वादन एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना ।
- हिंदी के आधुनिक गद्य साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं का परिचय प्राप्त करना ।
- हिंदी कहानी, कविता, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, आत्मकथा, जीवनी, निबंध, यात्रावृत्त, व्यंग्य, रिपोर्टाज, पत्र आदि विधाओं का परिचय कर चुके हैं ।
- जीवनमूल्य, भाव-भावनाओं, सुविधाओं के परिचय के साथ आधुनिक साधनों की भाषा का ई-प्रयोग कैसे करें इसका परिचय भी छात्र कर पाते हैं ।
- रेडियो वार्ता लेखन, समाचार लेखन, मीडिया के विविध आयाम, हिंदी भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता, बैंकिंग हिंदी, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का महत्व, उद्योग व्यापार में हिंदी के सहारे कैसे आर्थिक प्रगति कर सकते हैं । आदि बिंदुओं से परिचित करवाने का भी उद्देश्य रहा है ।

ऐच्छिक हिंदी (तृतीय सत्र)

प्रश्नपत्र-५ (कथेत्तर गद्य साहित्य)

- कथेत्तर गद्य साहित्य प्रश्नपत्र में समाविष्ट करने के पीछे यह उद्देश्य रहा है कि, हिंदी के छात्र हिंदी साहित्य के कथेत्तर गद्य विधाओं से परिचित हो ।
- गद्य-गौरव एवं गद्य प्रभा पुस्तक के माध्यम से छात्र रेखाचित्र, निबंध, संस्मरण, जीवनीपरक लेख, व्यंग्य, आत्मकथा अंश, यात्रावृत्तांत, लेख आदि विधाओं से भलीभाँती परिचित हो जाते हैं ।
- साहित्य के विविध विधाओं के आस्वादन का आनंद लेने की आदत और अभिरूचि का विकास करना ।

- हिंदी कथेत्तर गद्य संवेदना की परंपराओं का परिचय करना ।

प्रश्नपत्र-६ (प्रयोजनमूलक हिंदी)

- हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक रूप का परिचय करना ।
- हिंदी भाषा की व्यावहारिकता पर प्रकाश डालना ।
- भारत देश की राष्ट्रभाषा होने के नाते हिंदी भाषा की अहमियत का मूल्यांकन करना ।
- हिंदी के राष्ट्रीय और आंतरराष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना ।
- आधुनिक तंत्रज्ञान में हिंदी की उपयोगिता का आकलन करना ।

ऐच्छिक हिंदी (चतुर्थ सत्र)

प्रश्नपत्र-७ (आधुनिक हिंदी कविता)

- हिंदी कविता के प्रति छात्रों में अभिरूचि की वृद्धि करना । मानवीय भाव-भावनाएँ, उनका विकास करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य है ।
- हिंदी साहित्य के कविता का उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालना ।
- नागार्जुन द्वारा लिखित खंडकाव्य 'भूमिजा' रामायण के कथा प्रसंग पर आधारित है । सीता का ऐतिहासिक मूल्यांकन करते हुए एक नारी होने के नाते उसकी कौनसी शिकायतें राजा, पति, पुरुष और राज्य के प्रति रही हैं । इसका विस्तृत मूल्यांकन करना । नारी जीवन के संघर्ष और विद्रोह का परिचय खंडकाव्य का उद्देश्य रहा है ।
- रामायण रामचरित मानस तथा रामायण कथा से अलग सीता का चरित्र एक स्त्री का पुरुष के प्रति विद्रोह इस रूप में मिलता है, इसका परिचय कराना है ।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित चुनी हुई लंबी कविताएँ और खंडकाव्य के बीच का साहित्यिक पद्य रूप है । इन कविताओं के माध्यम से छात्र विविधता के भाव और रसों से परिचित हो जाते हैं । साथ ही आधुनिक जीवन का बाजारीकरण, अर्थसत्ता,

परेशानियाँ, भ्रमभंग आदि वास्तविकता से छात्रों को परिचित करवाना मुख्य उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र-८ (प्रयोजनमूलक हिंदी)

- हिंदी भाषा तथा राजभाषा हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना।
- प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय कराना।
- हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक और व्यावहारिक रूप का परिचय कराना।
- देश की राष्ट्रभाषा होने के नाते हिंदी भाषा की अहमियत का मूल्यांकन कराना।
- हिंदी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना।
- आधुनिक तंत्रज्ञान में हिंदी की उपयोगिता का आकलन करना।



PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

बी.ए. तृतीय वर्ष (पंचम सत्र)

साहित्यशास्त्र- DSC-1

- ❖ भारतीय साहित्य चिंतन का अध्ययन करना ।
- ❖ साहित्यालोचन की क्षमता को विकसित करना ।
- ❖ साहित्य सृजन प्रक्रिया का सैद्धांतिक ज्ञान कराना ।

हिंदी भाषा और लिपि- SEC-1C

- ❖ हिंदी के प्रयोजनपरक रूपों का अध्ययन करना ।
- ❖ भाषा की प्रयोजनपरक प्रयुक्तियों की क्षमताओं को विकसित करना ।
- ❖ भाषा के रोजगारपरक आयामों का ज्ञान कराना ।

प्रादेशिक आत्मकथा साहित्य- GE-1

- ❖ आत्मकथा विधा से छात्रों को परिचित कराना ।
- ❖ आत्मकथा पठन पाठन की अभिरूचि को विकसित करना ।
- ❖ प्रादेशिक भाषा के रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कराना ।
- ❖ हिंदी आत्मकथा साहित्य के विकास में प्रादेशिक भाषा साहित्य की आत्मकथा के योगदान को अधोरेखित करना ।

बी.ए. तृतीय वर्ष (षष्ठम सत्र)

साहित्यशास्त्र- DSC-2

- ❖ भारतीय साहित्य चिंतन का अध्ययन करना ।
- ❖ साहित्यालोचन की क्षमता को विकसित करना ।
- ❖ साहित्य सृजन प्रक्रिया का सैद्धांतिक ज्ञान कराना ।

प्रयोजनमूलक हिंदी - SEC-1D

- ❖ हिंदी के प्रयोजनपरक रूपों का अध्ययन करना ।
- ❖ भाषा की प्रयोजनपरक प्रयुक्तियों की क्षमताओं को विकसित करना ।
- ❖ भाषा के रोजगारपरक आयामों का ज्ञान कराना ।

हिंदी व्यंग्य साहित्य- GE-2

- ❖ हिंदी व्यंग्य से छात्रों से परिचित कराना ।
- ❖ हिंदी व्यंग्य के प्रति छात्रों में पठन-पाठन के अभिरूचि को विकसित कराना ।
- ❖ हिंदी के व्यंग्य रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कराना ।
- ❖ हिंदी व्यंग्य साहित्य के योगदान को रेखांकित कराना ।


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed
Department of Home Science
Academic Year 2023-2024

B.A Home Science:

Program Outcomes (P.O.):

- Women Empowerment.
- Skill Building and Skill enhancement.
- Capacity building.
- Enhance employability.

Program Specific Outcomes (P.S.O):

- Understand the sciences and technologies that enhance the quality of life in day to day living.
- Acquire professional and entrepreneurial skills for economic empowerment of self in particular and of community in general.
- Develop professional skills in food, nutrition, textiles, housing, product making etc.
- Take science from the laboratory to the people.
- Competence in public speaking, writing and inter personal skills.
- Development of critical sensitivity towards community issue and process.
- Acquire basic management skills for organizing events, resource mobilization, leading community-based project etc.
- Understand and appreciate the role of interdisciplinary science in the development and well-being of individuals, families and communities.
- Understand the importance of food and health to enhance the quality of life of people.
- Develop skills in food, nutrition, textile, housing, product making, communication technologies and development.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

MauliVidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Home Science

Academic Year 2024-2025

Courses outcomes (COS)

| Sr. No. | Class Semester | Paper Title | Course outcomes |
|----------------|-----------------------|----------------------|--|
| 1 | B.A. I, II, III | Food and Nutrition | <ol style="list-style-type: none"> 1. To understand the basic concept of related nutrition 2. To understand basic concept of nutrition 3. To understand the knowledge of food, food function and nutritive value 4. To develop abilities to plan Diets for various stages 5. To understand the method of food preparation and food preservations 6. To develop the entrepreneurial skills |
| 2 | B.A. | Clothing and Textile | <ol style="list-style-type: none"> 1. Ability to identify fibers and fabrics 2. Learning basic swing skills 3. Learn about scope of textile and clothing 4. Develop creativity in 'designing of textile & clothing 5. Derails process of fabric construction, weaving, knitting, braiding 6. Use of sewing machine & maintenances embroidery 7. Garment making & dress designing 8. Method of dyeing, printing & different fabric finishes 9. Acquire jobs in textile Industry 10.Run hobby classes for printing |

| | | | |
|---|------|---------------------|--|
| | | | 11. Selection and clothing according to personality |
| 3 | B.A. | Human Development | <ol style="list-style-type: none"> 1. Basic knowledge of stages development 2. Develop awareness about important aspects of development 3. Understand the issues and adjustment at each stage of life cycle 4. Awareness about all round development 5. Importance of mental hygiene 6. Awareness about marriage and family, adjustment 7. Awareness about problems of old age, middle age, pregnant women's, lactating mother and children 8. Awareness regarding parenthood, parent, child relationships. 9. Understand behavioral problems of children 10. Awareness about Important of punishment & rewards for children |
| 4 | B.A. | Extension Education | <ol style="list-style-type: none"> 1. Difference between formal & extension education 2. Method of communication in extension education 3. Extension program planning, evaluation 4. Extension teaching aids 5. Qualities, role and worker for community 6. Role & qualities of leader 7. Develop social responsibility and to get acquainted with social problems 8. Get employment in ILQS, KIIK |
| 5 | B.A. | Home Management | <ol style="list-style-type: none"> 1. Know systematic process of management and goals management |

| | | | |
|--|--|--|---|
| | | | <p>of teaching in day to day life</p> <ol style="list-style-type: none"> 2. Understand the decision making process 3. Finding out the goals and values of family 4. Sensitize with family resources 5. Understand elements and design 6. Making handcraft art articles, toys and sale them |
|--|--|--|---|

Mauli Vidyapeet's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.

Department of Geography

Academic Year-2024-25

PROGRAM OUTCOMES

(POs)

- Students will have a general understanding of physical geographic processes, the global distribution of landforms and ecosystems, and the role of the physical environment on human population.
- Students will have a general understanding of the various theoretical and methodological approaches in both physical and human geography and be able to develop research questions and critically analyze both qualitative and quantitative data to answer those questions.
- Students will develop a solid understanding of the concepts of "space," "place" and "region" and their importance in explaining world affairs.
- Students will understand general demographic principles and their patterns at regional and global scales.
- Students will be able to locate on a map major physical features, cultural regions, and individual states and urban centers.


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeet's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)



Mauli Vidyapeet's
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
Department of Geography
Academic Year- 2024-25
COURSE OUTCOMES
(COS)

| <i>Sr. No.</i> | <i>Class</i> | <i>Semester</i> | <i>Paper Number</i> | <i>Title of the Paper</i> | <i>Course Outcomes</i> |
|----------------|--------------|-----------------|---------------------|-----------------------------------|---|
| 1. | B.A.F.Y | I | DSC-1 | Physical Geography | <ul style="list-style-type: none">➤ student we'll now the basic concept in physical geography➤ Understand Earth tectonic and structural evolution.➤ Gain knowledge about earth interior and various varies regarding Earth.➤ Acquire Knowledge about types of folds and faults and Earthquakes and Rocks Classification. |
| 2. | B.A.F.Y | I | GE-1 | Regional Geography of Maharashtra | <ul style="list-style-type: none">➤ Acquaint students youth Geography of Maharashtra .➤ A ware of the Magnitude of problems and prospects in Maharashtra.➤ Understanding the inter relationship between the Subject and the society.➤ Understanding the recent trends Regional studies. |

| | | | | | |
|----|---------|----|-----------|---|---|
| 3. | B.A.F.Y | I | GP SEC-1 | SOI Toposheet Interpretation | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Achieve the knowledge of SOI Toposheets. ➤ Examine the Contour patterns used in the Toposheets. ➤ Understanding the Relief features and cultural features in the Toposheets. ➤ Comprehend the correlation between physical and cultural factors. |
| 4. | B.A.F.Y | I | GP DSE-1 | Practical Geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Students will know the Definition of Cartography and Scale of Map. ➤ Students Understand the method of Relief. ➤ Comprehend the concept of Relief features and Representation of Slope through Contour Line. |
| 5. | B.A.F.Y | II | GT DSE-2 | Human Geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Gain Knowledge about major themes of Human Geography. ➤ Acquire knowledge about the History and Evolution of human being. ➤ Learn about the various races and racial group and settlement pattern. |
| 6. | B.A.F.Y | II | GE-2 | Regional Geography of India | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Understanding the Physical divisions and Climatic characteristics of India. ➤ Acquaint with the Natural Vegetation types and characteristic of India. |
| 7. | B.A.F.Y | II | GP VSC-1 | Socio- Economic Survey OR Study Tour | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Understanding of Socio-Economic condition. ➤ Recognize the Social and Economic situation of the Village. ➤ Enhance the ability of Collecting Data. ➤ Acquire the skill of Making questionnaire & Report Writing. |
| 8. | B.A.F.Y | II | GP DSE- 2 | Practical Geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Distinguish between various of Cartographic techniques. ➤ Develop an Idea about different types of Graphs. ➤ Acquire knowledge to prepare Diagrams from statistical data and also the ability to interpret them. |

| | | | | | |
|-----|----------|----------|---------------------------|-----------------------------------|---|
| 9. | B.A.S.Y | III | CCGEOG-3E | Climatology | <ul style="list-style-type: none"> ➤ To understand the global warming ➤ Understand the greenhouse effects. ➤ Able to reading climate condition. |
| 10. | B.A.S.Y | IV | SECGEOG-3B | Population Geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Identify and understand the population in term of their quality and special distribution pattern. ➤ Learn the role of demography and population studies as a distinct field of human geography. |
| 11. | B.A.S.Y | IV | SECGOG-3F | Oceanography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Able to the understand interrelationship of ocean to other system. ➤ Able to explain the how physical and chemical factors in the ocean affect the climate. ➤ To understand the ocean resources |
| 12. | B.A.S.Y | III | SECGEOG-3A | Introduction of GIS | <ul style="list-style-type: none"> ➤ understand various components and principle of GIS ➤ Construct the thematic maps using different digital layers. ➤ Apply GIS in various geographical studies |
| 13. | B.A.S.Y | III & IV | CCGEOG-3P3 SECGEOG-3P4 | Practical Geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ To able the measure the air temperature, air pressure etc. ➤ To interpret the climatic condition map |
| 14. | B.A.T.Y. | V | DSE-3 A1 | Geography of India | <ul style="list-style-type: none"> ➤ To understand the physical characteristic of India. ➤ To understand the Economic characteristic of India. ➤ To sensitize the student with development of issues and policies and programmers designed for regional development. |
| 15. | B.A.T.Y. | V | DSE-3 A2 | Regional planning and development | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Understand and identify region as an integral part of geographical study. ➤ Gain Knowledge about definition of reason. Evolution and type of original planning developed and idea about choice of a region for planning. ➤ Appreciate the various aspect of development and regional disparity. In order to formulate |

| | | | | | |
|-----|--------------|----|------------|---------------------------------|---|
| | | | | | measures of balanced development. |
| 16 | B.A.T. Y. | V | SECGEOG-3C | Geography of environment | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Appreciate the structure and functions of ecosystem with examples. ➤ Understand the environmental problems and relevant management strategies. ➤ Acquire knowledge about the new environmental policies and the need to revise policies to tackle the environment issues of India, in particular. |
| 17. | B.A.T. Y. | V | GE GEOG-1 | Geography of natural calamities | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Understand the basic concept of the classification method of calamities. ➤ Acquire knowledge on the cases impacts distribution and mapping of calamities of India. ➤ Appreciate the response and mitigation measures of calamities in India. |
| 18. | B.A.T. Y. | VI | DSE-3 B1 | Agricultural geography of India | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Conceptualization the agriculture and its determinants. ➤ Get the over view of India and world agriculture region and systems. ➤ Have sound knowledge of agriculture revolution and food security. |
| 19. | B.A.T. Y | VI | DSE-3 B2 | Geography of tourism | <ul style="list-style-type: none"> ➤ *appreciate the basic concept of geographical parameters of tourism. ➤ Acquire knowledge on the recent trends and pattern of tourism development in India and other countries. ➤ *Understand the impact of tourism on national, regional and local economy, environment and society. |
| 20 | B.A.T. Y | VI | SECGEOG-3D | Geography of resources | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Understand difficulties in defining the components of sustainable development. ➤ Distinguish the pattern of regional development of the world and the need for sustainable development plan. |

| | | | | | |
|----|-------------|----|---------|---------------------|---|
| | | | | | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Appreciate the effort and initiative of the governments in reducing the leaves of poverty and inequality among the people of various countries. |
| 21 | B.A.T. Y | VI | GEEOG-2 | General geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Understand the components of earth system atmosphere lithosphere and hydrosphere understand the basic concept in various sub fields of human geography. ➤ Appreciate the growth distribution and composition of population in different part of the world. ➤ Analysis the types of pattern of rural and urban settlement, urbanization and related issues in India and other region of the world. |
| 22 | B.A.T. Y | VI | GEOG-P5 | Practical geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Read and prepare map. ➤ Comprehend location and special aspect of the Earth surface. ➤ Use and importance of map for Regional development and decision making. |
| 23 | B.A.T. Y | VI | GEOG-P6 | Practical geography | <ul style="list-style-type: none"> ➤ Interpret chartist icily data for a holistic understanding of geographical phenomena . ➤ Compare hand the representation and interpretation of the result. ➤ Learn to use tabulation of data. Gain knowledge about association and correlation. |

Dr. Jadhav V. D.

Head,

Dept. of Geography

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.


PRINCIPAL
 Mauli Vidyapeeth's
 Mahila Kala Mahavidyalaya
 Beed-431022 (MS)

Mauli Vidyapeeth's,
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
Internal Quality Assurance Cell
Department of Sociology
Academic Year : 2024 - 25
Program Specific Outcomes (PSOs)

On completion of the three /four years Degree in Sociology students will be able to

- ★ Students will get to know 'Sociology' as discipline and will understand the meaning and Scope of the subject in branch of Humanities.
- ★ Understanding of Concepts and sociological theories to explore and understand society and social phenomenon in general.
- ★ Create ability to understand and interpret social change along with factor responsible for it and its implications to the society and Individual
- ★ Knowledge of research methodology tools and it use of solving social problems and further its use in social policies.
- ★ Learning use of Sociology and its application in understanding of contemporary social problems in the interest of society.
- ★ Providing information and knowledge of various fields and subfields of Sociology and its interrelation for helping students in the study of society.
- ★ Encourage critical thinking of emerging issues, implications of dynamic society, providing ability to encounter with existing social issues.


PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's,
Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed.
Internal Quality Assurance Cell
Department of Sociology
Academic Year - 2024-25
Course Outcomes (COS)

| Sr.no. | Class | Semester | Paper no. | Title of paper | Course Outcome |
|--------|----------|----------|-----------|------------------------------------|--|
| 1 | B.A.F.Y. | I | DSC 1 | DSC 1 Introduction to Sociology | 1)Students will understand the period of Renaissance and its significance in the development of social thought. 2)Students will understand the major contributions and theories of Pioneer sociologists. 3)Students will able to define sociology through a scientific lens. 4)Students will get introduction of Indian sociologists and their contribution. 5)Students will acquaint with basic concepts of sociology.. |
| 2 | B.A.F.Y. | II | DSC 4 | DSC 4 Applied Sociology | 1)To introduce students to the concept, scope and importance of applied sociology. 2) To examine the role of sociology in understanding the social problems and solving of it. 3)To understand the role of sociology in policy framing. 4) To analyse the role of applied sociology in social development. 5) To explore the importance of sociology in social research. |
| 3 | B.A.S.Y. | III | V | Indian Society (CC-1E) | 1) they are made familiar with the Indian Society. 2) Its linkages and continuity with the past and present. 3) This paper provides comprehensive understanding of Indian Society |
| 4 | B.A.S.Y. | III | VI | Cinematic sociology (SEC -1A) | 1)Students are introduced the key ideas within a theory. They understand the importance of Cinema's impact on stociety. 2) students will investigate question through a filmic analysis of sociological issues. will consider both narrative and documentary |

| | | | | | |
|---|----------|----|------|---|--|
| | | | | | films and use them to engage in a sociological exploration of Identity, interaction, inequality and institutions. 3) Students explore the familiar path of cinema to connect to larger theoretical grounds. |
| 5 | B.A.S.Y. | IV | VII | Indian Society: Issues and Concerns (CC-1F) | 1) The course content will empower the students to deal with the current challenges and to serve as change agents in government and nongovernmental organizations. |
| 6 | B.A.S.Y. | IV | VIII | Sociology of Mass Media (SEC- 1B) | 1) An appreciation of mediated character of social existence and its history. 2) An acquaintance with concepts and various theoretical strands in sociology of media. 3) An understanding of social, political and cultural processes that underpin the operations of our mediated ecosystem and their effects. |
| 7 | B.A.T.Y. | V | IX | Classical Sociological Tradition (DSE-1/A1) | 1) Understanding the grand foundational themes of sociology. 2) Application of theories and concepts from classical sociological theories to develop intellectual openness and curiosity. 3) Appreciation of the classical concepts and theories to develop awareness of the limits of current knowledge. |
| 8 | B.A.T.Y. | V | X | Social Research Methods (SEC-1C) | 1) Students are introduced to sociological research both from a theoretical and methodological perspective. 2) Students develop the ability to evaluate the methodological validity of the claims made by theory. 3) Students will learn to identify ethical and practical issues in this research. |
| 9 | B.A.T.Y. | VI | XI | Indian Sociological Tradition (DSE-1/B1) | 1) Ensure that students have conceptual clarity and can articulate the main debates and arguments with regard to sociology in India. 2) To ensure that students have understood the formation of discipline in India and the challenge. 3) To help students understand the history of ideas related to the analysis of Indian society. |

| | | | | | |
|----|-----------------|----|-----|--|--|
| 10 | B.A.T.Y. | VI | XII | NGO Management and Social Development (SEC-1D) | 1) Students should enrich their knowledge about NGO Management. 2) Students enrich their knowledge about Project management dimensions, planning and its implementations. 3) To enrich skill and techniques of project evaluation. |
|----|-----------------|----|-----|--|--|



PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
(S)

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Political Science

Program Specific Outcomes [PSOs]

2024-2025

Students who have taken political science subject for degree have a lot of opportunities to be successful.

- **After graduation it will help to become a good student and professor of political science**
- **After completing the degree, the awareness of the social, political, economic, cultural, religious situation of the nation will be created**
- **It will help students to become successful political leaders**
- **It will help the students to know about Indian Constitution**
- **It will help the students to study social justice and Indian Judiciary**
- **Political Science subject to help them in competitive exams in various fields**
- **It will help the students can become excellent political analysts**
- **It will help the students to appear Maharashtra Public Service Commission and Central Public Service Commission examination .**


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya, Beed

Department of Political Science

Course Learning outcomes

2024-2025

B.A.F.Y

Name of the Paper :- Introduction to Political Science

- 1) Theoretical aspects of Political Science, and will learn about its basic concepts state and government
- 2) The origin, structure and functioning of state and government.
- 3) Understand the dynamics of live politics in the context of political theory
- 4) Basic concepts - liberty, equality, and justice
- 5) Distinctions and relevance of these concepts. To study the framing, means and goals of foreign policy.
- 6) To understand the objectives and principles of India's foreign policy

B.A.S .Y.

Name of the Paper :- International Relation

- 1) Aware of the making, sources and features of the Indian constitution.
- 2) Known about structure and functioning of Indian Government
- 3) Acquainted of dynamics in Indian politics
- 4) Able to understand and to analyze party politics, federal system, elections and
- 5) democratic values. To study the framing, means and goals of foreign policy.
- 6) To understand the objectives and principles of India's foreign policy.

B.A.T.Y.

Western Political Thinker

- 1) Students will exhibit a thorough understanding of key political thinkers and their foundational concepts
- 2) Students will discern and analyze similarities and differences among thinkers with analogous concepts.

- 3) Students will apply these conceptual frameworks to analyze and interpret contemporary political scenarios.
- 4) Students will articulate the essence and significance of normative thinking, elucidating its role in shaping political discourse and decision-making processes.



PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122 (MS)

Mauli Vidyapeeth Sanchalit,

Mahila kala mahavidhalaya beed

Department of History

Program Specific Outcomes(SPOs)

2024-25

- Candidates can find employment in several state and Central Government Organizations, non-profit groups, academic institutions and private sectors.
- This program prepares students for specific types of occupations and frequently, for direct entry into the employment market.
- Candidates with strong academic proficiency can opt for teaching professions in colleges and vocational training institutes that match government job scales.
- This program will enable students to update their knowledge and professional skills for entering the workforce with innovative income generating activities and self-entrepreneurship.


PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Department of History

2024-25

Papers Name: - F.Y.DSC-1. History of India (UP to 300B.C.)

GE/OE History of Buddhism

SEC-1 Study of Musicology

DSC-4 History of India

GE/OE 2 History of Jainism

VSC-1 Study in Archaeology

S.Y. V.HISTORY OF MEDIEVAL INDIA (A.D.1526-A.D.1707)

VI. History of Colonial India (AD1757- AD1857)

VII. History of Modern India (1857-1947)

VIII. HISTORY OF EUROPE

T.Y DSC-A1 History of USSR

SEC-1C Issues of Depressed Classes In India

GE-01 History of Sufism In India

DSC-B1. Research Methodology and Intellectual Property Rights

SEC -1D Study of Archive

GE-1 History of Sufism in India

B.A. (History)

Program Objectives:

- To acquaint students with the past and present of Maharashtra, India and the World.
- Impart a critical understanding of Indian society, economy, polity, and culture through a Historical perspective
- to prepare students for a range of careers
- to stimulate intellectual curiosity and research attitude in the students'
- to introduce the various Indian and foreign traditions of history writing

Program Outcomes:

F.Y.1. History of India (UP to 300B.C.)

- Understand the Source of Early Civilizations.
- Know about Religious Developments
- Know about Philosophies in ancient India.

- Student Got Extra Knowledge through practical work.

2. GE/OE History of Buddhism

- Origins and Key Concepts
- Know about Buddhist Philosophy
- Study the Early life and philosophy of Gautam Buddha.
- Impact of Buddhism .
- Information about sects in Buddhism.

SEC-1 Study of Museology

- Understanding Museum History and Theory
- To know about Collection Management and Conservation
- To understand the Museum Ethics and Legal Issues
- Study and visit Nearest Museum to get extra knowledge through Practical work.

DSC-4 History of India

- To study the history of Gupta and Vakataka dynasties.
- To study the history of Wardhan family.
- Understanding the Chalukya and Rashtrakuta dynasties.
- To study the history of Chalukyas and Vakatakas.\

GE/OE 2 History of Jainism

- Understanding Jainism's origins and historical development
- Knowledge of key doctrines and philosophical principles
- Familiarity with Jain scriptures and literature
- Understanding the role of Jainism in Indian history and society
- Understand The development of Jainism

VSC-1 Study in Archaeology

- Understanding Archaeological Methods
- Interpreting Archaeological Evidence
- Knowledge of Past Cultures and Societies
- Critical Thinking and Problem-Solving

- Medieval culture with a view understands the student.
- Student introduced nature of medieval Indian society economy, state formations and the main religious currents of the time.
- History of Mughal India, History is very important for UPSC exam.
- Students enable to understand the medieval political, Economical, Social and Agriculture History.

2. History of Colonial India (AD1757- AD1857)

- Students got knowledge of concept history of modern India.
- Modern Indian History is very useful to students for MPSC examination.
- Modern Indian History is useful to student for NET-SET exam.
- Student got knowledge of Indian philosophers and their philosophy.

3. History of Modern India (1857-1947)

- 'History of India' is very importance for UPSC exam.
- When students doing study is 'History of Modern India' that times they know about Freedom Struggle and Freedom Fighters.
- Increasing student's wideness.
- Students capable for discuss any Country issue.
- 'History of Modern India' is very importance for all competitive exams [Set-Net, MPSC]

4. HISTORY OF EUROPE

- Tracking the political situation in Europe.
- To know French Revolution and Industrial Revolution.
- Understanding the unification of Italy and Germany.
- Understanding the World War I and World War II Causes and Solutions.

BATY- DSC-A1 History of USSR

- Understanding the Bolshevik Revolution and its aftermath
- Analyzing the Stalinist era.
- Evaluating the Soviet Union's role in World War II.
- Understanding the Cold War and its impact.

- Analyzing the factors leading to the collapse of the USSR.

SEC-1C Issues of Depressed Classes in India

- Understanding the historical context.
- Analyzing social and economic inequalities.
- Evaluating Cast Issues in India.
- Understanding the Issues of Labour.

GE-01 History of Sufism in India

- Understanding the Historical Context.
- Tracing the Origins
- Understand concepts of Sufism.
- Impact of Sufism on India.
- Discuss about Sufi Silsila and its impact

DSC-B1. Research Methodology and Instinctual Property Rights

- Understanding Historical Research Concepts, Def and Fundamentals.
- Literature Review.
- Research Design and Methods.
- Report Writing.
- Intellectual Property Rights
- Formation of IPR, Policy of Govt. and Career Opportunities

SEC -1D Study of Archive

- Students know source of history.
- Practically student known to how much write history.
- Students know about concepts of Archive.
- Students got information about types and History of Archive.
- It helps students to understand the National, State Archive.
- It helps students to understand Society.
- Students got great experiences by visiting all types of Archive.



PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

Mauli Vidyapeeth Sanchalit,

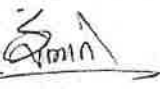
Mahila kala Mahavidyala, beed


Department of marathi

Program Specific Outcomes (PSOs)

Students who have taken Marathi subject for degree have a lot of opportunities in the future.

- Develop reading, writing and communication skill in Marathi
- The student's works as a Marathi news reporter.
- Students can build their career as a writer, translator, announcer, speaker, tutor, administrator etc.
- Students can also get employment opportunities as a teacher or professor.
- Students will get to know the types of stories such as Dalit, Garmin, Streewedi, Aadivasi and Scientific approached.
- While studying the nature of Indian literature, the students should understand the ideology of Indian literature
- Understanding origin, nature and function of language.
- To review the social, cultural and religious condition.
- To be able to understand the fairy language of business, science, office and literature.
- To understand the social values of lessons and poetry, democratic, industrial, experience, literary and cultural values.


का. ए. आर.


डॉ. रवींद्र वा. दास
सहा. प्राध्यापक
मराठी विभाग प्रमुख
महिला कला महाविद्यालय, बीड


PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed (431 004)

Mauli Vidyapeeth Sanchalit,

Mahila kala Mahavidyala,beed

Department of marathi

Academic Year-2024-2025


Course Outcomes(COs)

| Sr. No. | Class / Semester | Paper Code | Paper Title | Course Outcomes |
|---------|----------------------------|------------|---|---|
| 1 | B.A. Ist(Opt.) Sem-I | MAR-101 | Paper I Nivdak Abhang (Abhang Avis hkar) | 1. Identification of Saint literature and its currents. 2. By paying special attention to the nature of Abhanga, the value of Abhanga is understood while explaining the characteristics and expressions of Abhanga. 3. Understands the similarities and differences in the structure of Abhangas of saints. 4.Helps to convince the usefulness of Abhanga in today's times. |
| 2 | B.A. Ist(Opt.) Sem-I | MAR-102 | Paper II Nivdak Katha (Katharth) | 1.To create sensitivity in students. 2.Will develop story vision. 3.To be able to understand expression. 4.To consider the type of story and the history of story. 5.Students will get to know the types of stories such as Dalit ,Gramin ,Streewadi ,Adivasi And Scientific approached stories. |

डॉ. रवींद्र बा. दास
सहा. प्राध्यापक
मराठी विभाग प्रमुख
महिला कला महाविद्यालय, बीड

PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

| | | | | |
|---|------------------------------------|----------------------|---|---|
| 3 | B.A. Ist(Opt.) Sem- II | MAR-103 | Paper III- Nevdak Lalit Gadya (Lalit Gandh) | <p>1.Highlighting the special nature and tradition of fine prose.</p> <p>2. Than other literary forms to reveal the difference between fine prose and genre.</p> <p>3.Exploring the fluid sensitive thinking tendencies of a fine writer and finding the beauty that it creates.</p> <p>4.To unravel the different nature of the fine writings of selected fine writers and their similarities.</p> <p>5. To inspire students to be creative in fine writing by introducing them to a variety of writers who walk the path of elegance.</p> |
| 4 | B.A. Ist(Opt.) Sem-II | MAR-104 | Paper IV Nivdak Marathi Kavita (Adhunik) | <p>1 .Creating sensitivity in students.</p> <p>2. Will develop poetic vision.</p> <p>3. To be able to understand expression.</p> <p>4. To consider the type of poetry and the history of poetry.</p> <p>5. Developing the poetic devices and their usages.</p> |
| 5 | B.A. IInd(Opt.) Sem-III & IV | MAR-105 & MAR-107 | Paper V & VII- Aadhunik Marathi Vangmayacha Ithias 1800-1920 | <p>1. Get to know the types of ,Marathi Vangmaya.</p> <p>2. To study the socio-cultural & political background on from 1800-1920.</p> <p>3 .Know the brief literature in same period.</p> <p>4.Know the various literary form in same period.</p> |


 डॉ. रवींद्र वा. दास
 सहा. प्राध्यापक
 मराठी विभाग प्रमुख
 महिला कला महाविद्यालय, बीड


PRINCIPAL
 Mauli Vidyapeeth's
 Mahila Kala Mahavidyalaya
 Beed-431122 (MS.)

| | | | | |
|---|-------------------------------|---------|--|--|
| 6 | B.A. IInd(Opt.) Sem-III | MAR-106 | Paper VI Druk Shravya Madhyamasathi Lekhan Kaushalya | <p>1. Language skills (Especially writing) are developed.</p> <p>2. Understand the essence of arts.</p> <p>3. Language/thought through audio-visual medium expresses them.</p> <p>4. Introduces Marathi language and literature.</p> |
| 7 | B.A. IInd(Opt.) Sem-IV | MAR-108 | Paper VIII Sahitya Prakaranatar Aani Sahityache Madhyamantar | <p>1. Can be changed in literature.</p> <p>2. Various media types can be converted.</p> <p>3. Turns story into a screenplay.</p> |
| 8 | B.A. IIIrd(Opt.) Sem-V | MAR-109 | Paper IX Bhartiya Sahitya Vichar | <p>1. While studying the nature of Indian literature, students can understand the ideology of Indian literature and the examples of writers like Mammat, Vishwanath, Dandi, Anandvardhan, Rudrat and Bharatamuni etc.</p> <p>2. The study is done in the journal and discusses various literary ideas like Rasasiddhanta.</p> <p>3. Stories, poems, plays, essays etc. can be studied.</p> |
| 9 | B.A. IIIrd(Opt.) Sem-V | MAR-110 | Paper X Linguistics | <p>1. Students should know about the history of the language and what is the overall structure of the Marathi language through the senses, which words are uttered by the senses.</p> <p>2. Getting acquainted with modern linguistics.</p> |

डॉ. रवींद्र वा. डास
सहा. प्राध्यापक
मराठी विभाग प्रमुख
महिला कला महाविद्यालय, बीड

PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

| | | | | |
|--|--|--|--|---|
| | | | | <p>3. Understanding origin ,nature and function of language.</p> <p>4. Getting Information about phonetics.</p> <p>5. To improve the pronunciation of Marathi language of the students.</p> <p>6. Enhancing the interest in Marathi language.</p> <p>7. To inform the students about the strengths, limitations, conclusions, etc.in linguistics and how they will be used in daily life.</p> |
|--|--|--|--|---|

| | | | | |
|----|-----------------------------------|----------------------|--|---|
| 10 | B.A. Illrd(Opt.) Sem-V | MAR-111 | Paper XI- Madhyayugin Marathi Vangmayacha Itihas-Prarambh to 1600 | <p>1. To keep abreast of the socio-cultural and religious conditions of the Yadav period and to make the students aware of the texts that were written during that period.</p> <p>2. To review the Bahamani Kaal texts by understanding the implications behind them and their actual scriptures.</p> <p>3. To study the important texts of time, the authors of those texts and their texts and make an assessment about them.</p> <p>4. To study the streams of Marathi literature in the middle age.</p> |
| 11 | B.A. Illrd(Opt.) Sem-V & VI | MAR- 112& MAR-116 | Paper XII & XVI-Project work | <p>1. Development of reading and writing skills.</p> <p>2. Development of critical vision of students</p> |

डॉ. रवींद्र वा. डास
सहा. प्राध्यापक
मराठी विभाग प्रमुख
महिला कला महाविद्यालय, बीड


PRINCIPAL
Maui Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

| | | | | |
|----|-------------------------------|---------|--|---|
| | | | | <p>3. Development of writing skills among students by acquiring research vision.</p> <p>4. Encourage students to do linguistic study and research in the border areas and their regional specialities.</p> |
| 12 | B.A. IIIrd(Opt.) Sem-VI | MAR-113 | Paper XIII- Paschatya Sahitya Vichar | <p>1. While studying the nature of Western literature, the students should understand the ideology of western literature and its literary examples, such as Wordsworth, Matthew, Arnold, Sigmund Freud, Colris etc.</p> <p>2. Purpose of literature, production process, Introduction to various debates in literatures and approaches to critical writing to develop.</p> <p>3. This study has been done in the journal and various literary ideas are discussed here such as Marxist Literary Thought, Socialist Literary Thought, Realist Literary Thought and also what is the historical and Marxist critique method in general.</p> |
| 13 | B.A. IIIrd(Opt.) Sem-VI | MAR-114 | Paper XIV- Grammar and Essays | <p>1. Develop reading, writing and communication skills in Marathi.</p> <p>2. Apply the study of Marathi linguistics and grammar in their practical life.</p> <p>3. Students should be familiar with grammar and essays in Marathi language.</p> <p>4. It will help them to improve students' pronunciation as well as where grammar can be used while writing in daily life.</p> |

डॉ. रवींद्र बा. दास
सहा. प्राध्यापक
मराठी विभाग प्रमुख
महिला कला महाविद्यालय, बीड

PRINCIPAL
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kaia Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

| | | | | |
|----|---|--------------------|--|--|
| 14 | B.A. IIIrd(Opt.) Sem-VI | MAR-115 | Paper XV- Madhyayugin Vangamaycha Ithihas-1601 to 1818 | <ol style="list-style-type: none"> 1. To review the social, cultural and religious condition during Shiva period-Peshwa period. 2. To study the motivations and effects of book production. 3. Comprehension of the then books-librarians-granthaspecials. 4. To comprehend the specialty Predilection of Panditi, Sahiri and Bakhar literature. |
| 15 | B.A.1 st (SL Marathi) Sem-I & II | AECC-1 & AECC-2 | Paper I & II- Bhartiya Bhasha Bhag-I& II | <ol style="list-style-type: none"> 1. To introduce students to Marathi literature, language and culture. 2. Create interest in Marathi literature. 3. Cultivate ability to appreciate literature. 4. Understand various branches and movements of Marathi literature. 5. Develop linguistic skills to meet the requirements in the age of globalization. 6. Importance of language in personality development. 7. To develop skill of translation. 8. To understand socio-cultural values. 9. Practical knowledge to explain the practical application of technology. |
| 16 | B.A.IInd (SL Marathi) Sem-III & IV | MAR-03 & MAR-04 | Paper III & IV- Gadya Padya Va Upayojit Marathi | <ol style="list-style-type: none"> 1. To introduce standard writing practice. 2. To develop skill of translation. 3. Develop ability to appreciate and evaluate selected Biographies, Prose and Poetry in modern Marathi literature. |

डॉ. रवींद्र वा. ढास
सहा. प्राध्यापक
मराठी विभाग प्रमुख
महिला कला महाविद्यालय, बीड

MAHILA KALA MAHAVIDYALAYA
Mauli Vidyapeeth's
Mahila Kala Mahavidyalaya
Beed-431122.(MS.)

| | | | | |
|--|--|--|--|--|
| | | | | <p>4. To develop the ability to look at society by developing the art of living through the study of literature.</p> <p>5. To be able to understand the fairy language of business, science, office and literature.</p> <p>6. To develop the ability to handle various media by identifying them.</p> <p>7. Students should be introduced to the author and poet of the text included in syllabus.</p> <p>8. To help understanding the social values of lessons and poet ,democratic values, industrial experience, literary values, cultural values to help students to develop their lives.</p> <p>9. Introduction of various literary texts by enhancing the reading culture . This course has been prepared for the benefit of the students and their use in life.</p> |
|--|--|--|--|--|



Dr. Ravindra Dhas

डा. रवींद्र वा. दास

Department of Marathi

मराठी विभाग प्रमुख

महिला कला महाविद्यालय, बीड



PRINCIPAL

Mauli Vidyapeeth's

Mahila Kala Mahavidyalaya

Beed-431122.(MS)